RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 मुंबई : शुक्रवार 25 अगस्त 2023 वर्ष 05 अंक 121 संपादक : फैसल शेख पृष्ठ : 8 कीमत : 03 रुपये

दैनिक
रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

गणपति बप्पा के आगमन और जाने वाले रास्ते को करे गड्ढा मुक्त
मनपा अतिरिक्त आयुक्त ने अधिकारियों को दिया निर्देश

मुंबई : गणेशोत्सव की तैयारी में मनपा प्रशासन जुट गया है। मनपा अतिरिक्त आयुक्त पी वेलरासू ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि गणेश मूर्ति के आगमन और विसर्जन वाले रास्ते को गढ्ढा मुक्त करने का निर्देश दिया। मनपा अतिरिक्त आयुक्त ने सड़क विभाग के अधियकारियो को निर्देश दिया की गणपति बप्पा के आगमन के पूर्व सभी सड़को को गढ्ढा मुक्त बनाए। मुंबई में 19 से 28 सितंबर 2023 तक श्री गणेशोत्सव का त्यौहार मनाया जाएगा। बारिश के कारण मुंबई की सड़कों पर हुए गड्ढों को भरने की प्रक्रिया तेजी से पूरी की जा रही है। वेलरासू ने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि गणेशोत्सव के दौरान सड़कों पर गड्ढे न हों, यह विभाग स्तर पर सुनिश्चित किया जाना चाहिए। उल्लेखनीय है कि पिछले दिनों गणेश मंडल के समन्वय समिति ने भी सड़को पर बने गढ्ढो को लेकर चिंता जताई थी। मनपा और पुलिस प्रशासन द्वारा सार्वजनिक गणेशोत्सव मंडलों को अनुमति दी जा रही है ।मुंबई में लगभग 20 हजार से अधिक सार्वजनिक गणेश मंडल है जिसमे अभी तक 2 हजार मंडलो ने मंडप बनाने की अनुमति ली है। गणेशोत्सव मंडलों को दी गई अनुमति के अनुसार सहायक आयुक्त एवं नोडल अधिकारी गणेश मूर्ति के आगमन एवं विसर्जन के मार्ग का खाका तैयार करें एवं समीक्षा करें की इन सड़को पर गढ्ढे नहीं है।

जापानी सहयोग से पूरा होगा वसोर्वा-विरार समुद्री लिंक
देवेंद्र फडणवीस ने की जापान के वित्त मंत्री से मुलाकात

मुंबई : पांच दिवसीय जापान दौरे पर गए उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने गुरुवार को जापान के वित्त, व्यापार और उद्योग मंत्री यासुतोशी निशिमुरा से मुलाकात की। मुंबई ट्रांस हार्बर लिंक, मेट्रो 3 परियोजनाओं की दिक्कत दूर करने के लिए उन्होंने उपमुख्यमंत्री का आभार माना और वसोर्वा-विरार सी लिंक के लिए सभी सहयोग का आश्वासन दिया।

फडणवीस की जापान यात्रा का गुरुवार को चौथा दिन है। इस अवसर पर जापान के वित्त, व्यापार और उद्योग मंत्री यासुतोशी निशिमुरा ने कहा कि जापान जी-7 का नेतृत्व कर रहा है और भारत जी-20 का नेतृत्व कर रहा है, इसलिए ये दोनों देश वैश्विक स्तर पर बड़ी भूमिका निभा सकते हैं। जापानी सरकार लगातार नए शोध को बढ़ावा दे रही है और एमएसएमई को सहयोग दे रही है। उन्होंने वसोर्वा-विरार समुद्री लिंक के लिए पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि महाराष्ट्र उद्योगों का पावर हाउस है। लगभग 750 जापानी कंपनियां महाराष्ट्र में हैं। अब महाराष्ट्र में सिंगल विंडो अनुमति प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। बुलेट ट्रेन को लेकर सभी प्रक्रियाएं पूरी हो चुकी हैं और काम काफी तेजी से चल रहा है।फडणवीस ने निशिमुरा को मुंबई ट्रांस हार्बर लिंक परियोजना के उद्घाटन के लिए आमंत्रित किया। मेट्रो-3 के सभी लंबित मुद्दे अब साफ हो गए हैं और इसका काम भी अंतिम चरण में है। वसोर्वा-विरार सी लिंक परियोजना बहुत महत्वपूर्ण है और राज्य सरकार ने बंदरगाह कनेक्टिविटी को सुविधाजनक बनाने पर भी अधिक ध्यान केंद्रित किया है।

उपमुख्यमंत्री ने इशिकावा के उपराज्यपाल अतुको निशिगाकी से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने सुपा औद्योगिक पार्क में निवेश करने का अनुरोध किया और जापानी निवेशकों के प्रतिनिधिमंडल के साथ महाराष्ट्र आने का निमंत्रण दिया। उन्होंने आश्वासन दिया है कि हम 2024 की शुरूआत में महाराष्ट्र आएंगे। देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि राज्य में निवेश के अवसरों पर चर्चा के लिए महाराष्ट्र से एक टीम इशिकावा भेजी जाएगी। इसके अलावा फडणवीस ने मित्सुबिशी के उपाध्यक्ष हिसाहिरो निशिमोटो से भी मुलाकात की। मित्सुबिशी ने तलेगांव में निवेश किया है और पहला चरण दिसंबर 2023 से शुरू होगा।

सुप्रिया सुले का बड़ा बयान- NCP में कोई टूट नहीं,
अजित पवार हैं पार्टी के वरिष्ठ नेता

मुंबई : एनसीपी में टूट के सवाल पर शरद पवार की बेटी और एनसीपी सांसद सुप्रिया सुले के सुर बदले-बदले नजर आ रहे हैं. एनसीपी में दरार पर बोलते हुए सुप्रिया सुले ने कहा कि पार्टी टूटी नहीं है. हम सब एक हैं. आज भी हमारी पार्टी एक है. बीजेपी के साथ हमारा कोई गठबंधन नहीं है. एनसीपी का एक गुट सत्ता में है और एक विपक्ष में, हमारी पार्टी टूटी नहीं है. अजित पवार एनसीपी के वरिष्ठ नेता हैं.

पक्ष और विपक्ष दोनों में है एनसीपी

बता दें कि जब से अजित पवार एनसीपी के विधायक तोड़कर महाराष्ट्र की एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली सरकार में शामिल हुए हैं तब से एनसीपी के दो गुट हो गए हैं. एक सरकार के साथ और दूसरा विपक्ष में हैं. दोनों गुट पार्टी पर अपना दावा कर रहे हैं.

गौरतलब है कि इसी साल 2 जुलाई को अजित पवार ने अपने चाचा शरद पवार के खिलाफ विद्रोह करके महाराष्ट्र की एकनाथ शिंदे सरकार में शामिल हो गए थे. अजित पवार ने डिप्टी सीएम पद की शपथ ले ली थी. अजित पवार के साथ 8 और विधायकों ने भी मंत्री पद की शपथ ली थी. तब अजित पवार ने ये दावा किया था कि उनके साथ 40 विधायकों का सपोर्ट है. जान लें कि सुप्रिया सुले का ये बयान अहम माना जा रहा है. ऐसा इसलिए क्योंकि उनका ये स्टेटमेंट ऐसे समय पर आया, जब एनसीपी अध्यक्ष शरद पवार अपने भतीजे अजित पवार के विद्रोह के बाद पार्टी को फिर से खड़ा करने में लगे हुए हैं. हालांकि, बगावत के बावजूद अजित पवार और शरद पवार के बीच 4 बार मुलाकात हो चुकी है.

फडणवीस पर सुप्रिया सुले का कटाक्ष

वहीं, सुप्रिया सुले ने देवेंद्र फडणवीस पर कटाक्ष करते हुए कहा कि अगर मैं फडणवीस की जगह होती तो मुझे बुरा लगता. 105 लोगों को चुनकर लाना और उपमुख्यमंत्री बनना. उनकी पार्टी ने फडणवीस का अपमान किया है. चंद्रयान-3 की सफलता पर बोलते हुए सुप्रिया सुले ने कहा कि ये उपलब्धि इसरो की है. पूर्व पीएम जवाहरलाल नेहरू ने पहले प्रधानमंत्री के तौर पर विज्ञान का प्रचार किया था.

महाराष्ट्र में प्याज निर्यात शुल्क का विरोध:
मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा- किसानों का समर्थन करती है सरकार

मुंबई : महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने बृहस्पतिवार को कहा कि उन्होंने केंद्र सरकार से प्याज के लिए खरीद केंद्रों की संख्या बढ़ाने को कहा है। प्याज पर 40 प्रतिशत निर्यात शुल्क लगाने के केंद्र के 19 अगस्त के फैसले के खिलाफ किसानों और व्यापारियों के विरोध के बीच मुख्यमंत्री का बयान आया है। शिंदे ने जोर देकर कहा कि उनकी सरकार प्याज किसानों का समर्थन करती है। उन्होंने एक बयान में कहा, हमने केंद्रीय कृषि और वाणिज्य मंत्रालयों से खरीद केंद्रों की संख्या बढ़ाने का अनुरोध किया है। शिंदे ने कहा, वर्तमान में नेफेड द्वारा स्थापित 13 केंद्रों पर खरीद की जा रही है। अब तक 500 मीट्रिक टन प्याज की खरीद की जा चुकी है। किसानों के पास प्याज की उपलब्ध मात्रा को देखते हुए हमने अनुरोध किया है कि खरीद केंद्रों की संख्या बढ़ाई जाए। केंद्र ने हाल ही में घोषणा की थी कि वह 2,410 रुपये प्रति क्विंटल की दर से दो लाख मीट्रिक टन प्याज खरीदेगा और नासिक एवं अहमदनगर में विशेष खरीद केंद्र स्थापित करेगा। बढ़ती कीमतों के संकेतों और आगामी त्योहारी सीजन को देखते हुए केंद्र सरकार ने 19 अगस्त को प्याज की घरेलू उपलब्धता बढ़ाने के लिए इसके निर्यात पर 40 प्रतिशत शुल्क लगा दिया। किसानों ने दावा किया है कि इस कदम से घरेलू बाजार में प्याज की बहुतायत हो जाएगी, जिससे कीमतें गिर जाएंगी और किसानों को भारी नुकसान होगा।

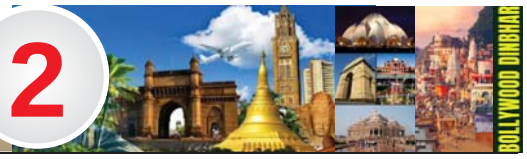

संपादकीय / लेख

कैसे टूटे रैगिंग का चक्रव्यूह

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

रैगिंग के कारण बंगाल के जादवपुर विश्वविद्यालय के छात्र स्वप्नदीप कुंडू की मौत ने कई प्रश्न खड़े कर दिए हैं। क्या जादवपुर विश्वविद्यालय ने इस मामले को दबाने का प्रयास किया? विश्वविद्यालय प्रशासन ने इसे आत्महत्या के मामले के रूप में क्यों प्रचारित किया? उसने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) को इस प्रकरण पर संतोषजनक रिपोर्ट क्यों नहीं भेजी? स्वप्नदीप कुंडू की मौत के बारे में जादवपुर विश्वविद्यालय ने जो दो प्रतिवेदन भेजे हैं, उसके प्रति यूजीसी ने गहरा असंतोष जाहिर किया है और विश्वविद्यालय से पुनः विस्तृत रिपोर्ट भेजने को कहा है। वैसे जादवपुर विश्वविद्यालय अकेला विश्वविद्यालय नहीं है, जिसने रैगिंग से हुई मौत की घटना को दबाने की चेष्टा की। कई उच्च शिक्षण संस्थान रैगिंग की घटनाओं को छिपाने या उसे दूसरे प्रकार की घटना बताने का यत्न करते हैं। कई बार देखा गया है कि विश्वविद्यालय प्रशासन और यहां तक कि छात्र संघ रैगिंग करने वालों के पक्ष में खड़े हो जाते हैं। इसकी वजह साफ है। यूजीसी से कोई वित्तीय सहायता या अनुदान प्राप्त करने की एक विशिष्ट शर्त यह है कि उस संस्थान ने एंटी-रैगिंग का अनुपालन किया है। किसी संस्थान में रैगिंग की कोई भी घटना नैक या किसी अन्य अधिकृत एजेंसी द्वारा संस्थान का मूल्यांकन करते समय इसकी मान्यता, रैंकिंग या ग्रेडिंग पर प्रतिकूल प्रभाव डालती है। आयोग उन संस्थानों को वित्तीय अनुदान सहायता में प्राथमिकता देता है, जो रैगिंग की कोई घटना दर्ज नहीं होने के संदर्भ में बेदाग रिकार्ड की रिपोर्ट करते हैं। जाहिर है कि लाभ पाते रहने के लिए जादवपुर विश्वविद्यालय ने रैगिंग की घटना का सही विवरण नहीं दिया।

हालांकि स्वप्नदीप कुंडू का मामला राष्ट्रीय स्तर पर उजागर होने के बाद कोलकाता पुलिस ने जरूर तत्परता दिखाई। उसने वीडियो फुटेज को खंगालने के बाद पाया कि स्वप्नदीप कुंडू की रैगिंग तीन अलग-अलग कमरों में ली गई। पीड़ित पर कपड़े उतारने का दबाव बनाया गया। इस मामले में पुलिस ने 13 छात्रों को गिरफ्तार किया है। इनके खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया है। जादवपुर विश्वविद्यालय में बांग्ला (आनर्स प्रथम वर्ष) के छात्र स्वप्नदीप कुंडू का विश्वविद्यालय के छात्रावास की बालकनी के पास शव पाया गया। उसके शरीर पर कपड़े नहीं थे। स्पष्ट है कि स्वप्नदीप कुंडू की मौत ने जादवपुर विश्वविद्यालय जैसे उच्च शिक्षण संस्थान में उचित सतर्कता की कमी को उजागर कर दिया है।

स्वप्नदीप कुंडू की मौत ने अमन काचरू की याद ताजा करा दी है। 2009 में धर्मशाला के राजेंद्र प्रसाद मेडिकल कालेज में रैगिंग और प्रताड़ना का शिकार हुए छात्र अमन काचरू की मौत ने देश को झकझोर दिया था। अमन को उसके वरिष्ठों ने पीट-पीटकर मार डाला था। अमन के पिता राजेंद्र काचरू ने अमन नाम से एक एनजीओ शुरू कर रैगिंग के खिलाफ लड़ाई लड़ी। उसके कारण ही 2009 में सुप्रीम कोर्ट ने यूजीसी को रैगिंग विरोधी दिशानिर्देश तैयार करने, एक हेल्पलाइन और एक शिकायत निगरानी समिति स्थापित करने का आदेश दिया। फिर यूजीसी ने उच्च शैक्षणिक संस्थानों में रैगिंग को रोकने के लिए यूजीसी विनियमन, 2009 बनाया। इस विनियमन में कहा गया है कि सभी शिक्षण संस्थान रैगिंग को खत्म करने के लिए सभी आवश्यक उपाय करें। रैगिंग के दोषी पाए जाने या रैगिंग को बढ़ावा देने की साजिश का हिस्सा बनने वाले लोगों के खिलाफ कार्रवाई करें। किसी वरिष्ठ छात्र द्वारा नए छात्र की नियमित शैक्षणिक गतिविधि को रोकने, बाधित करने या परेशान करने, जबरन वित्तीय वसूली या जबरदस्ती खर्च का बोझ डालने और शारीरिक शोषण, यौन शोषण, समलैंगिक हमले, कपड़े उतारने, अश्लील और भद्दे कृत्यों, इशारों के लिए मजबूर करने की शिकायतें मिलते ही त्वरित कार्रवाई की जाए। एंटी रैगिंग कानून के तहत दोषी पाए जाने पर तीन साल की सश्रम कैद हो सकती है और आर्थिक दंड भी लगाया जा सकता है। रैगिंग के मामले में कार्रवाई न करने या मामले की अनदेखी करने पर कालेज के खिलाफ भी कार्रवाई हो सकती है और आर्थिक दंड लगाया जा सकता है।

+91 99877 75650
editor@rokthoklekhaninews.com
Faisal Shaikh @faisalshaikh_91

मुंबई में मिला जीका वायरस का मामला

इलाज के बाद हुआ ठीक...

बीएमसी ने कहा- 'संक्रमण से न घबराएं'

मुंबई : मुंबई में रहने वाले 79 वर्षीय एक बुजुर्ग जीका वायरस से संक्रमित हो गए थे. इसके बाद उनका इलाज शुरू किया गया और वह अब पूरी तरह से इससे उबर चुके हैं. यह मुंबई के उपनगर चेंबूर के रहने वाले हैं. बृहन्मुंबई महानगरपालिका ने बुधवार को यह जानकारी दी. बीएमसी ने एक बयान जारी कर कहा कि लोग जीका वायरस से घबराएं नहीं, क्योंकि जीका संक्रमण 'स्वयं ठीक होने वाली बीमारी' है. बीएमसी ने कहा कि पुणे स्थित राष्ट्रीय विषाणु विज्ञान संस्थान ने पुष्टि की है कि उपनगर चेंबूर में रहने वाले शख्स जीका वायरस से संक्रमित थे. बयान के मुताबिक, उनमें 19 जुलाई को बुखार, नाक बंद होना और खांसी जैसे लक्षण दिखे और उन्होंने डॉक्टर को दिखाया और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था. बताया जा रहा है कि मरीज को ठीक होने पर 2 अगस्त को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई. मरीज की 20 साल पहले एंजियोप्लास्टी हुई थी और उन्हें मधुमेह, रक्तचाप समेत अन्य बीमारियां भी हैं.

जीका वायरस से संक्रमित व्यक्ति में नहीं दिखते लक्षण

बीएमसी ने अपने बयान में कहा, ''जीका वायरस से संक्रमित व्यक्ति खुद ही ठीक हो जाते हैं और इससे संक्रमित 80 फीसदी लोगों कोई लक्षण नहीं होता है.'' बीएमसी ने कहा कि मरीज के घर के आसपास स्थित घरों में सर्वेक्षण किया गया लेकिन इसका कोई और मामला नहीं मिला. बयान में कहा गया है कि जीका वायरस संक्रमित एडीज मच्छरों द्वारा फैलता है जिनके कारण डेंगू और चिकुगुनिया भी होता है. बताया जा रहा है कि जीका वायरस से होने वाला संक्रमण इतना भयानक होता है कि कई बार मरीजों को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ता है. अगर कोई प्रेगनेंट महिला इससे संक्रमित हो जाए तो गर्भ में पल रहे शिशु की जान पर खतरा हो सकता है. बता दें कि बीते मई महीने में ब्रिटेन की एक यूनिवर्सिटी ने जीका वायरस का टीका बनाया था और उस पर ह्यूमन ट्रायल शुरू कर दिया था. इससे पहले इसे जानवरों पर भी आजमाया जा चुका है.

पालघर जिले से डकैतों के गिरोह के पांच सदस्य गिरफ्तार

पालघर : महाराष्ट्र के पालघर जिले में डकैतों के एक गिरोह के पांच सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने कहा कि अभियान के दौरान वाडा थाने के दो पुलिसकर्मी घायल हो गए। जिला पुलिस अधीक्षक (एसपी) बालासाहेब पाटिल ने बताया कि स्थानीय पुलिस को 21 अगस्त को सूचना मिली कि संदिग्ध डकैत मेट गांव में मेटा फील्ड प्राइवेट लिमिटिड की बंद पड़ी फैक्टरी में घुस रहे हैं। एसपी ने बताया कि पुलिस की एक टीम दोपहर साढ़े तीन बजे वहां पहुंची तो डकैतों ने भागने की कोशिश की। उन्होंने बताया कि पुलिस ने उनका पीछा किया तो डकैतों ने पथराव कर दिया, जिससे कांस्टेबल बाबासाहेब घुगे और चेतन सोनावणे जख्मी हो गए।

कुछ डकैत नदी में कूद गये लेकिन कांस्टेबल सोनावणे और कुछ ग्रामीण भी पानी में कूद गये और उन्हें पकड़ लिया। अधिकारी ने बताया कि आरोपियों की पहचान रवाब बरकुल्ला शाह (60), मिराज नूर मोहम्मद शाह (21), वैभव रविंद्र जाधव (24), अब्दुल कलाम समीउल्लाह खान (38) और चिराग अरूण पाटिल (22) के तौर पर हुई है और ये सभी पालघर और ठाणे जिलों के रहने वाले हैं। एसपी ने बताया कि उनके पास से गैस कटर बरामद किये गये हैं जिससे संकेत मिलता है कि उनकी योजना लूट को अंजाम देने की थी। उन्होंने कहा कि मामले की जांच की जा रही है।

महाराष्ट्र सरकार ने सार्वजनिक अस्पतालों में मुफ्त इलाज के लिए जारी किया आदेश...

मुंबई : सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग के अधिकार क्षेत्र में आने वाले महाराष्ट्र के सभी सरकारी अस्पतालों में इलाज सहित स्वास्थ्य सेवाएं मरीजों के लिए मुफ्त उपलब्ध कराई गई हैं। इसकी जानकारी राज्य सरकार ने दी है। बुधवार को जारी एक सरकारी संकल्प में कहा गया है कि रक्त आपूर्ति को छोड़कर सार्वजनिक-निजी भागीदारी पर प्रदान की जाने वाली चिकित्सा परीक्षण, उपचार और अन्य सभी सेवाएं 15 अगस्त से मरीजों के लिए मुफ्त उपलब्ध हैं। महाराष्ट्र के सभी सरकारी अस्पतालों में मुफ्त इलाज और अन्य स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने का निर्णय राज्य मंत्रिमंडल ने 3 अगस्त को अपनी बैठक में लिया था। अधिकारियों ने पहले कहा था कि योजना के तहत राज्य सरकार द्वारा संचालित 2,418 अस्पतालों और चिकित्सा केंद्रों पर मुफ्त सुविधाएं उपलब्ध होंगी। उन्होंने कहा, 25.5 मिलियन से अधिक लोग इन सुविधाओं में उपचार का लाभ उठाते हैं।

मनपा के कर्मचारियों एवं अधिकारियों की एसआईटी जांच

मुंबई : कोरोना काल में अपनी जान जोखिम में डालकर लाखों मुंबईकरों की जान बचानेवाले मनपा के कर्मचारियों एवं अधिकारियों को अब ईडी, एसआईटी द्वारा परेशान किया जा रहा है। ईडी और एसआईटी जांच के कारण इन अधिकारियों एवं कर्मचारियों को समाज में शर्मिंदा होना पड़ रहा है और उन्हें काफी मानसिक उत्पीड़न सहना पड़ रहा है।

इसके अलावा राज्य सरकार अब कर्मचारियों पर हमले रोकने वाली धारा ३३२ और ३५३ को खत्म करने की तैयारी दरशा रही है तो अन्य कई मांगें पिछले कई वर्षों से प्रलंबित भी हैं। राज्य सरकार और मनपा की इस कामगार विरोधी नीति के खिलाफ कल हजारों कर्मचारियों ने आजाद मैदान में विरोध प्रदर्शन किया। इस जोरदार विरोध प्रदर्शन का आयोजन मुंबई मनपा कर्मचारी संघ की समन्वय समिति

ने किया था। मार्च २०२२ में मुंबई में कोरोना के प्रसार के बाद किए गए लॉकडाउन में जब सभी प्रणालियों का काम बंद हो गया, तो मुंबई की जनता को सुविधाएं प्रदान करने के लिए मनपा के सवा लाख स्थायी कर्मचारी और लगभग ३० हजार कांट्रेक्ट कर्मचारी काम पर तैनात थे। जब आए दिन कोरोना से मौतें हो रही थीं, तब मनपा के कर्मचारी अपनी जान जोखिम में डालकर काम कर रहे थे। ये कर्मचारी जनता की सेवा के लिए २४ घंटे काम कर रहे थे। मुंबईकरों की जान बचाने में मनपा के कुल ३५० कर्मचारियों और अधिकारियों को अपनी जान गंवानी पड़ी। इस आपदा में मुंबईकरो को बचाने के लिए मनपा के अधिकारियों ने विशेषाधिकार पर कई चीजें खरीदीं और आपातकालीन समय के लिए आवश्यक विभिन्न निर्णय लिए और लाखों मुंबईकरों की जान को बचाया, लेकिन अब इन्हें ईडी और एसआईटी की जांच की आड़ में फंसाया जा रहा है। कामगार यूनियन का आरोप है कि सरकार ने संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाकर जांच एजेंसियों के सहारे दबाव बना रही है। इससे कर्मचारियों-अधिकारियों को भारी मानसिक पीड़ा हो रही है, जिसके चलते उन्हें काम करना मुश्किल हो गया है। सरकार की कामगार विरोधी नीति के खिलाफ में हजारों कर्मचारियों ने आजाद मैदान में धरना दिया। मुंबई मनपा कामगार संघ समन्वय समिति के प्रतिनिधि मंडल की ओर से उप मुख्यमंत्री अजीत पवार, मनपा आयुक्त-प्रशासक इकबाल सिंह चहल को ज्ञापन दिया गया है। आंदोलन के मौके पर समन्वय समिति के अध्यक्ष बाबा कदम, एडवोकेट. महाबल शेट्टी, वामन कविस्कर, अशोक जाधव, सत्यवान जावकर, एड. प्रकाश देवदास, बी.सी. सालवी, दिवाकर दलवी, शेषराव राठौड़, संजीवन पवार, के. पी. नाईक, साईनाथ राज्याध्यक्ष, शरद सिंह सहित मनपा संगठन, कर्मचारी, अधिकारी आदि बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

नवी मुंबई में एक इमारत का स्लैब गिरा...

मलबे में दबने से दो की मौत, छह घायल

नवी मुंबई : नवी मुंबई के नेरुल इलाके में एक 20 वर्षीय आवासीय इमारत का स्लैब गिरने से दो लोगों की मौत और छह अन्य घायल हो गए। नेरुल के सिसोर में स्थित चार मंजिला तुलसी भवन इमारत की तीसरी मंजिल की छत का स्लैब बुधवार की रात करीब 8:50 मिनट में ढह गई। अग्निशमन अधिकारी अफसर पुरुषोत्तम जादव ने बताया कि स्लैब दूसरी और तीसरी मंजिला पर गिरा, जिससे एक मजदूर की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गए थे। उन्होंने कहा कि इमारत में चार विंग थी, और बी विंग की स्लैब ढह गई।

एक अन्य अधिकारी ने बताया कि जब स्लैब गिरा तब तीसरी मंजिल पर कुछ सिविल काम चल रहा था। इमारत के ग्राउंड फ्लोर पर एक सिलाई की दुकान थी, और इस घटना के कुछ ही मिनट पहले दुकान का मालिक दुकान बंद करके वहां से निकला था। मरने वालों में

एक की पहचान बाबाजी शिंगाडे के तौर पर की गई है। वहीं घायल हुए व्यक्ति को पास के अस्पताल में ले जाया गया है। इस घटना के तुरंत बाद इमारत से सभी लोगों को बाहर निकाला गया और उन्हें फिलहाल नेरुल में अहिल्याबाई होल्कर समाज मंदिर हॉल में ठहराया गया है। घटना की जानकारी पाकर अग्निशमन अधिकारी मौके पर पहुंचे और रेस्क्यू मे जुट गए। एक अन्य अधिकारी ने बताया कि इमारत वैध थी और सभी अपेक्षित परमिट भी थे। इस घटना में मरने वालों के मृत शरीर को पोस्ट मार्टम के लिए भेज दिया गया है। स्थानीय पुलिस ने फिलहाल दुर्घटना में मृत्यु का मामला दर्ज कर लिया है।

कब्रिस्तान को लेकर हाईकोर्ट ने राज्य सरकार और महानगरपालिका को फटकार लगाई

मुंबई : शव जमीन से बाहर आ रहे हैं और आपको वैकल्पिक कब्रिस्तान पर निर्णय लेने के लिए हमारे आदेशों की आवश्यकता है। कम से कम ऐसे मामले में तो थोड़ी संवेदनशीलता दिखाइए। गोवंडी में कब्रिस्तान को लेकर हाईकोर्ट ने राज्य सरकार और महानगरपालिका को फटकार लगाई। बता दें कि कब्रिस्तान बंद करने के संबंध में एडवोकेट समशेर अहमद, मोहम्मद अबरार चौधरी, अब्दुल रहमान शाह ने जनहित याचिका दायर की है। इस याचिका की सुनवाई मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय एवं न्यायमूर्ति आरिफ डॉक्टर की बेंच के समक्ष हुई। याचिकाकताओं की ओर से अल्ताफ खान उपस्थित हुए। मामला लंबित होने के कारण कोर्ट ने राज्य सरकार और महानगरपालिका पर नाराजगी जाहिर की। अब इस मामले में अगली सुनवाई दो हफ्ते बाद होगी।

कोर्ट ने फटकार लगाते हुए कहा कि गोवंडी में कोई वैकल्पिक कब्रिस्तान नहीं है, नागरिकों को दाह संस्कार के लिए शव को ७ किमी दूर ले जाना पड़ता है। क्या आपको नागरिकों की परवाह नहीं है? ऐसी समस्याओं पर राज्य सरकार और नगर निगम को गंभीरता से विचार करना चाहिए।

कोर्ट ने पूछा कि क्या मुंबई में कब्रिस्तान के लिए जगह उपलब्ध कराई गई है? उसके लिए क्या मापदंड हैं? कोर्ट ने आदेश दिया कि शहरी विकास विभाग शपथपत्र पर यह जानकारी दे कि कब्रिस्तान के लिए जगह उपलब्ध कराने के लिए क्या-क्या कदम उठाए गए हैं।

गोवंडी में मुस्लिम समुदाय के लोगों ने मनपा से श्मशान भूमि के लिए जगह की मांग की थी, जिसके बाद मनपा ने देवनार, रफीक नगर और आणिक डिपो के पास जगह देने का आश्वासन दिया गया था। बाद में मनपा ने श्मशान भूमि के लिए देवनार में जगह दी, लेकिन थोड़े दिन बाद इस जगह को एसआरए योजना के लिए दे दिया गया। इसके बावजूद यहां श्मशान भूमि के लिए कुछ जगह देना अनिवार्य है, जबकि रफीक नगर वाली जगह को लेकर मनपा का कहना है कि यहां कचरा डंप किया जाता है।

१० दिनों तक मुंबई-नासिक महामार्ग पर ट्रैफिक जाम की समस्या

ठाणे : मुख्यमंत्री के ठाणे जिले में ट्रैफिक जाम की समस्या अब बेहद आम हो गई है। अब इसी में मुंबई-नासिक महामार्ग पर साकेत पुल की जॉइंट बैरिंग के टूटने से राज्य सड़क विकास महामंडल द्वारा मरम्मत कार्य शुरू किया गया है। मरम्मत कार्य के चलते बुधवार के दिन साकेत पुल से तीन हात नाका तक लंबा ट्रैफिक जाम लग गया था। ट्रैफिक पुलिस विभाग के मुताबिक, मरम्मत कार्य के चलते अगले १० दिनों तक ठाणे शहर और मुंबई-नासिक महामार्ग पर ट्रैफिक जाम की समस्या यूं ही बनी रहेगी। ऐसे में लोग अपना काम वैष्ठसे करें, ऐसा सवाल कर रहे हैं।

बता दें कि साकेत पुल मुंबई-नासिक हाईवे पर यातायात के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है। हर साल बरसात के मौसम में इस

पुल पर गड्ढे हो जाते हैं। इसलिए राज्य सड़क विकास महामंडल ने मानसून से पहले इस पुल की मरम्मत मैस्टिक विधि से की थी। इस साल बरसात के दौरान साकेत पुल पर गड्ढों की संख्या तो कम हो गई लेकिन मंगलवार शाम से साकेत पुल का कुछ हिस्सा हिलना शुरू हो गया। बुधवार सुबह कुछ वाहन चालक रुके हुए थे। इसी बीच केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले नासिक की ओर जा रहे थे। वाहनचालकों ने उनके वाहन को रोका और विस्तृत जानकारी दी। इसके बाद राज्य सड़क विकास मंडल के अभियंता, ट्रैफिक पुलिस उपायुक्त डॉ. विनयकुमार राठौड़ मौके पर पहुंचे। उन्होंने निरीक्षण किया तो पता चला कि पुल के लोहे के कनेक्शन में बड़ी दरार आ गई है और बेयरिंग का कुछ हिस्सा उखड़ गया है। इसके बाद ट्रैफिक पुलिस ने तुरंत सुरक्षा की दृष्टि से खतरनाक इलाके के आस-पास बैरियर लगा दिया।

ट्रैफिक पुलिस उपायुक्त डॉ. विनय कुमार राठौड़ ने बताया कि मुंबई-नासिक हाईवे पर मरम्मत कार्य के लिए ट्रैफिक बदलना पड़ा है। यह कार्य करीब आठ दिनों तक चलेगा और इसका असर यातायात व्यवस्था पर पड़ सकता है। साकेत पुल यातायात के लिहाज से काफी संकरा है। मरम्मत कार्य के चलते मुंबई-नासिक मार्ग को वन-वे तरीके से जारी रखा जा रहा है।

मुंबई के इस स्कूल में रेपिस्ट टीचर!

डेढ़ महीने में चार छात्राओं को बनाया हवस का शिकार...

मुंबई : मुंबई के एक स्कूल में डेढ़ महीने पहले आए स्पोर्ट्स टीचर ने चार छात्राओं के साथ रेप को अंजाम दिया है. पीडित छात्राओं की शिकायत पर मुंबई पुलिस ने आरोपी टीचर के खिलाफ रेप और पॉक्सो एक्ट की विभिन्न धाराओं में केस दर्ज करते हुए उसे अरेस्ट कर लिया है. पुलिस की पूछताछ में आरोपी ने ना केवल इन वारदातों को कबूल किया है, बल्कि उसने बताया है कि पहले वाले स्कूल में भी उसने इस तरह की वारदातों को अंजाम दिया है.

पुलिस मामले की जांच कर रही है. मामला मुंबई में विक्रोली स्थित टैगोर नगर के स्कूल का है. पुलिस के मुताबिक दो दिन पहले छात्राओं के परिजनों ने पुलिस में शिकायत दी थी. इस शिकायत के आधार पर आरोपी टीचर को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई. आरोपी ने पहले तो पुलिस को गुमराह करने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने जब सख्ती किया तो आरोपी टूट गया. इसके बाद आरोपी ने इन चार छात्राओं के साथ रेप की बात को तो कबूल किया है.

साथ ही, उसने बताया कि वह इससे पहले जिस स्कूल में था, वहां भी उसने कई लड़कियों को अपनी हवस का शिकार बनाया था. फिलहाल पुलिस ने आरोपी को अदालत में पेश कर 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है. पुलिस के मुताबिक आरोपी ने पिछले महीने छह जुलाई को ही इस स्कूल में ज्वाइन किया था. इसके बाद आरोपी ने एक एक कर चार लड़कियों को शिकार बना लिया. इन्हीं में से एक लड़की ने अपनी आपबीती परिजनों को बताई. फिर परिजनों ने मामले की जानकारी पुलिस को दी. इसके बाद पुलिस ने आरोपी टीचर के खिलाफ यह कार्रवाई की है. पुलिस के मुताबिक आरोपी टीचर आदतन अपराधी है और उसने इस तरह की वारदात कई अन्य लड़कियों के साथ भी अंजाम दिया है.

मुंबई पुलिस जोन 7 के डीसीपी पुरुषोत्तम कराड ने बताया कि अब पुलिस आरोपी द्वारा अंजाम दिए गए बाकी मामलों को भी ट्रैस करने की कोशिश कर रही है. इन मामलों की पुष्टि होने के बाद आरोपी के खिलाफ मजबूत चार्जशीट तैयार कर कोर्ट में पेश किया जाएगा. इसी के साथ प्रयास किया जाएगा कि आरोपी को जल्द से जल्द और कठोर से कठोर सजा मिल सके.

मां ने डांटा तो छात्रा ने लगा ली फांसी

नागपुर : नागपुर में एक 19 वर्षीय एक कॉलेज छात्रा ने आत्महत्या कर ली। पुलिस अधिकारी के अनुसार छात्रा को उसकी मां ने मोबाइल फोन पर अधिक समय बिताते के कारण डांट लगाई थी, जिसके बाद उसने आत्महत्या का कदम उठाया। जेंदा चौक इलाके में रहने वाली रेनुका प्रमोद काले स्नातक प्रथम वर्ष की छात्रा थी। पुलिस ने बताया कि रेनुका के पिता का देहांत हो गया था और वह अपनी मां के साथ रहती थी। रेनुका पढ़ाई में अच्छी थी, लेकिन पिछले कुछ समय से उसका पढ़ाई से ध्यान भटक गया था और वह फोन पर ज्यादा समय बिताया करती थी। सोमवार की दोपहर रेनुका अपने फोन में व्यस्त थी, इस दौरान उसकी मां ने पढ़ाई से ध्यान भटकने पर उसकी फटकार लगाई। रेनुका इसके बाद अपने कमरे में गई और खुद को फांसी लगा ली। गिट्टीखदान पुलिस ने दुर्घटना में मृत्यु का मामला दर्ज कर तहकीकात में जुटी है।

34 वर्षीय महिला को परेशान करने के मामले में एससी-एसटी एक्ट के तहत आठ के खिलाफ मामला दर्ज...

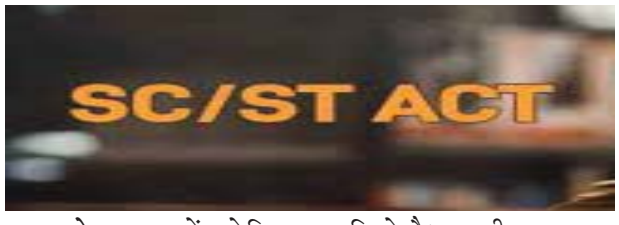

ठाणे : महाराष्ट्र में ठाणे जिला परिषद के स्वास्थ्य विभाग में काम करने वाली 34 वर्षीय महिला को परेशान करने के मामले में एससी/एसटी अत्याचार अधिनियम के तहत पुलिस ने सात महिला और एक पुरुष के खिलाफ मामला दर्ज किया है। नारपोली पुलिस स्टेशन के एक अधिकारी ने बताया कि महिला ने शिकायत के अनुसार जून 2021 से लेकर जनवरी 2023 के बीच प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, भिवंडी के पंचायत समिति के दफ्तर और ठाणे जिला परिषद के स्वास्थ्य विभाग में काम करने के तहत उसे परेशान किया गया है।

एफआईआर के अनुसार कुछ अरोपी वर्ली समुदाय से संबंध रखने वाली शिकायतकर्ता द्वारा दिए गए काम को यह कहकर इनकार कर देते थे कि वह निचली जाति से है। यह भी बताया गया कि एक बार जब महिला ने उनके बोतल से पानी पी थी तब कुछ लोगों ने उससे दुरव्यवहार भी किया था। महिला की जाति को लेकर आरोपियों में से कुछ ने दफ्तर के सहकर्मियों के सामने उसे अपमानित भी किया था। वे महिला पर झुठे आरोप भी लगाए थे, जिस वजह से उसे नौकरी से भी निकाल दिया गया था। पीड़िता ने बताया कि नौकरी से निकाले जाने के बाद वह अपने गांव मोखाडा तालुका जो पालघर के पास है, में आकर खेती करने लगी थी। महिला की शिकायत के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर सात महिला समेत आठ लोगों को के खिलाफ मामला दर्ज किया है। फिलहाल इस मामले में अभी तक किसी की भी गिरफ्तारी नहीं की गई है।

तिरपाल में छिपाकर महाराष्ट्र ले जा रहे थे गोवंश, दो पकड़ाए, एक भागा

महाराष्ट्र : वाहनों में तिरपाल में छिपाकर महाराष्ट्र में गोवंश की तस्करी की जा रही है। मंगलवार को नर्मदानगर पुलिस ने दो और खालवा पुलिस ने गोवंश से भरी एक गाड़ी पकड़ी। दो तस्कर भी पकड़ाए। लेकिन तीसरा तस्कर गाड़ी छोड़ भाग निकला। नर्मदानगर स्थित एलएनटी कंपनी के पास घेराबंदी कर पिकअप वाहन (एमपी-12 जीए 2146) को पकड़ा। ड्राइवर पुलिस देख गाड़ी छोड़ भाग निकला। गाड़ी की तलाशी ली तो उसमें 30 हजार कीमती 6 बैल मिले। इसी तरह, डेम चौराहा पर छोटा हाथी (एमपी 09 एलआर 9237) में भी चार बैल महाराष्ट्र की ओर बेचने के लिए ले जाए जा रहे थे। पकड़े गए आरोपी ने अपना नाम विजय पिता अंतरसिंह राजपूत (38) निवासी वार्ड क्र. 9 सतवास (देवास) बताया। खालवा पुलिस ने भी राजपुरा गांव के पास से मवेशियों से भरी गाड़ी (एमपी 12 जी 1286) पकड़ी।

प्याज की सही कीमत न मिलने से नाराज किसानों ने पिंपलगांव येवाला में रोकी नीलामी

नासिक : बाजार समिति के तीन दिन बंद रहने के बाद गुरुवार को प्याज की नीलामी शुरू हुई, लेकिन लासलगांव, पिंपलगांव और येवला में सही कीमत नहीं मिलने के कारण किसानों ने प्याज की नीलामी रोक दी। इस बीच, प्याज की कीमत कम होने से नाराज किसानों ने 2500 रुपये चुकाने के बाद लासलगांव में नीलामी भी बंद कर दी है। केंद्र सरकार द्वारा प्याज की निर्यात 40 प्रतिशत बढ़ाने के बाद व्यापारियों ने पिछले तीन दिनों से जिले में कारोबार नहीं करने का फैसला किया था और नाराज किसानों ने स्वाभिमानी शेखर एसोसिएशन और महाराष्ट्र राज्य प्याज उत्पादक संघ के माध्यम से विरोध प्रदर्शन किया।

तमाम मुद्दों पर चर्चा के लिए केंद्रीय स्वास्थ्य राज्य मंत्री भारती पवार ने बुधवार को कलेक्टर कार्यालय में एक बैठक बुलाई। इस बैठक में व्यापारी किसान संघ के प्रतिनिधि, नेफेड के अधिकारी और जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। बैठक में व्यापारी संघ के प्रतिनिधि शामिल हुए। गुरुवार से प्याज की नीलामी शुरू करने का फैसला किया है। गुरुवार को प्याज की नीलामी शुरू हुई। एशिया की सबसे बड़ी प्याज मंडी लासलगांव में 200 ट्रैक्टर नीलामी के लिए आए। इस ट्रैक्टर की कीमत ठअऋऊ द्वारा दी गई कीमत से 90 रुपये ज्यादा थी, यानी 2500 रुपये प्रति क्विंटल के हिसाब से प्याज खरीदा जा रहा है।

दूसरी ओर, येवला और पिंपलगांव बाजार समिति, जो प्याज की मंडी है, में नाराज किसानों ने प्याज की नीलामी रोक दी और मांग की है कि केंद्रीय स्वास्थ्य राज्य मंत्री भारती पवार यहां आयें वरना हम नीलामी नहीं रोकेंगे। प्रदेश अध्यक्ष स्वाभिमानी किसान संघ के संदीप जगताप ने कहा कि किसान अपना प्याज यहां तभी बेचेंगे जब उन्हें बाजार समिति में नेफेड से उचित कीमत मिलेगी, इसलिए बाजार समिति से इस कीमत को लेकर सकारात्मक रुख अपनाने की मांग की गई है. प्याज उत्पादक संघ के भरत दिघोले ने चेतावनी दी गई है कि नेफेके ड से अधिक दाम मिलने पर ही किसान अपना प्याज बाजार समिति में लाएंगे तो किसान इसमें भाग नहीं लेंगे।

कोस्टल रोड परियोजना की डिजाइन को बदलने की मांग, याचिकाकर्ता को फटकार...

मुंबई : उच्च न्यायालय ने बुधवार को महत्वाकांक्षी कोस्टल रोड परियोजना की डिजाइन को बदलने की मांग करने वाले एक याचिकाकर्ता को फटकार लगाई। कोर्ट ने कहा कि कोस्टल रोड का काम अपने अंतिम चरण में पहुंच गया है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना का काम ८० फीसदी पूरा हो चुका है। जल्द ही यह परियोजना मुंबईकरों की सेवा में शामिल हो जाएगी, ऐसे में कोर्ट ने याचिकाकर्ता की बात सुनी और पूछा कि क्यों अनुचित मांग कर प्रोजेक्ट के काम में अड़ंगा पैदा किया जा रहा है? मनपा ने एक हलफनामे में दावा किया कि यह परियोजना पूर्णता के चरण में है। ऐसे में कोस्टल रोड परियोजना की डिजाइन को बदलना संभव नहीं है। कोर्ट ने इस पर संज्ञान लेते हुए अगली सुनवाई २७ सितंबर को तय की है। दक्षिण मुंबई में कोस्टल रोड परियोजना का काम तेजी से चल रहा है। आर्किटेक्ट एलन अब्राहम ने एक जनहित याचिका दायर कर मांग की है कि निकट भविष्य में मुंबईकरों की यात्रा को और अधिक आरामदायक और तेज बनाने के लिए इस परियोजना की डिजाइन को बदला जाए। याचिका पर बुधवार को मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय एवं न्यायमूर्ति आरिफ डॉक्टर की पीठ के समक्ष सुनवाई हुई। याचिकाकर्ता ने दावा किया कि प्रोजेक्ट में मूलभूत परिवर्तन किए बिना इसे अधिक सुलभ बनाया जा सकता है। याचिकाकताओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता वेंकटेश धोंड ने तर्क दिया कि मनपा प्रशासन को कोस्टल रोड की डिजाइन को बदलने का निर्देश दिया जाना चाहिए।

याचिकाकर्ता ने विभिन्न मांगों पर विचार करने के लिए शहरी नियोजन के क्षेत्र में हाइवे के इंजीनियरों और विशेषज्ञों की एक समिति नियुक्त करने की मांग भी पीठ से की। मनपा की ओर से वरिष्ठ वकील एसपी चिनॉय और वकील जी. एल. कार्लोस ने उक्त याचिका के प्रति आपत्ति जताई। कोस्टल रोड का काम ८० प्रतिशत पूरा हो चुका है। वरिष्ठ अधिवक्ता चिनॉय ने तर्क दिया कि जो काम अब अंतिम चरण में पहुंच गया है, उसे संशोधित करना संभव नहीं है। इस संबंध में उन्होंने एक हलफनामा भी दाखिल किया।

अमिताभ बच्चन के बंगले के ठीक बाहर भी है गड्ढा?

उद्धव गुट के कार्यकताओं ने किया अनोखा प्रदर्शन

मुंबईः बॉलीवुड अभिनेता अमिताभ बच्चन के प्रतीक्षा बंगले के बाहर शिवसेना उद्धव ठाकरे गुट के कार्यकताओं ने अनोखा विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने यह आंदोलन बंगले के पास सड़क पर दिख रहे गड्ढे को लेकर किया। आंदोलनकारियों ने रात के समय बच्चन के बंगले के बाहर सड़क पर दिख रहे गड्ढे के पास दीये जलाकर रात के समय इटउ के खिलाफ प्रदर्शन किया। शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) के कार्यकताओं का कहना है कि इन गड्ढों की वजह से किसी गाड़ी का एक्सीडेंट्स ना हो इस वजह से इसके आसपास दीये लगाए गए हैं। अंधेरी इलाके में दिख रहे गड्ढों को पूरे तरह से भरा जाये, इस मांग को लेकर पिछले एक हफ्ते से ठाकरे गुट की तरफ से गड्ढों में रंगोली और दिये लगाकर अनोखा विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है।

रीसाइकिलकरो महाराष्ट्र में निकल संयंत्र स्थापित करने के लिए 100 करोड़ रुपये का करेगी निवेश

मुंबई : लिथियम-आयन बैटरी रीसाइकिल करने वाली कंपनी रीसाइकिलकरो ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह महाराष्ट्र में हर वर्ष 1,200 टन धातु का उत्पादन करने की क्षमता वाला निकल संयंत्र स्थापित करने के लिए 100 करोड़ रुपये का निवेश करने की योजना बना रही है। रीसाइकिलकरो की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, राज्य के पालघर जिले में 17 एकड़ भूमि में इस सुविधा को स्थापित किया जाएगा। इस संयंत्र में बेकार लिथियम-आयन बैटरी और निकल हाइड्रॉक्साइड से निकल का उत्पादन किया जाएगा। संयंत्र 2023 के अंत तक उत्पादन शुरू कर देगा। कंपनी के अनुसार, भारत में निकल (धातु) की मांग प्रति वर्ष करीब 45 किलोग्राम टन है, जो पूरी तरह से आयात के माध्यम से पूरी की जाती है। रीसाइकिलकरो के संस्थापक एवं निदेशक राजेश गुप्ता ने कहा, ''निकल धातु संयंत्र की स्थापना न केवल हमारे संगठन के लिए बल्कि संपूर्ण इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) उद्योग के लिए महत्वपूर्ण है।''

एक महीने में फ्लैट का स्लैब गिरने लगा,

एसआरए रीडेवलपमेंट प्रोजेक्ट में कई नियमों का उल्लंघन

मुंबई : मुंबई में ऐसे कई पुनर्विकास प्रोजेक्ट है, जो आज भी संदेह से भरे हुए हैं। ऐसा ही एक एसआरए का रीडेवलपमेंट प्रोजेक्ट घाटकोपर स्थित एलबीएस मार्ग पर है, जो बीते कई सालों से धीमी गति से चल रहा है और बिल्डर ने इसे बनाने में कई नियमों का उल्लंघन भी किया। इसी संदर्भ में पीआईएल एक्टिविस्ट नितिन दोशी ने मुंबई हाई कोर्ट में याचिका दायर की है। याचिका के अनुसार, बिल्डिंग बनाते समय ट्री अथॉरिटी से अनुमति नहीं ली गई थी, सीएफओ की अनुमति नहीं ली गई थी, टीडीआर फ्रॉड किया गया और बिल्डिंग बनाते समय कई नियमों का उल्लंघन भी किया गया। यह बिल्डिंग अंबाजी कंस्ट्रक्शन द्वारा बनाई गई है। लेकिन बिल्डिंग की हालत एक महीने में ही खराब होती दिखाई दे रही है। बिल्डिंग बनाते समय खराब सामग्री के इस्तेमाल के कारण फ्लैट का स्लैब गिरने लगा। बारिश के समय पानी टपकने के कारण लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा था। हालांकि, डेवलपर का कहना है कि इमारत खराब होने के बाद उन्होंने मरम्मत कराई थी। बिल्डर को ५ बिल्डिंग बनानी थी, जिसमें से अब तक सिर्फ २ बनकर तैयार है। २ पुनर्विकास बिल्डिंगों के निर्माण के लिए गैर कानूनी तरीके से पेड़ों को हटाया गया था, जबकि पेड़ों को हटाने से पहले अथॉरिटी से बाकायदा अनुमति ली जाती है, जिसे बिल्डर ने नहीं लिया था। पीआईएल एक्टिविस्ट नितिन दोशी ने आरोप लगाया है कि बिना नियम के ऐसे पेड़ काटना सरासर पर्यावरण कानून के खिलाफ है।

किसी भी गृह निर्माण कार्य के पास फायर ब्रिगेड की गाडियों के जानें के लिए उचित रास्ता छोड़ा जाता है। याचिका एक्टिविस्ट नितिन दोशी के आरोपों के अनुसार, एसआरए ने बिना जांच-पड़ताल के बिल्डर को फ्लैट में पजीशन की अनुमति दे दी है। नियमों के अनुसार आर्किटेक्ट द्वारा बनाए गए प्लान में चीफ फायर ऑफिसर की अनुमति की जरूरत होती है। यह अनुमति बिल्डर को नहीं मिली लेकिन फिर भी एसआरए ने जांच-पड़ताल किए बिना बिल्डर को ओसी दे दी।

'गंदी हरकत' करने वाले पुलिस अधिकारी के 2 बेटे गिरफ्तार,

बनाते थे महिलाओं के आपत्तिजनक वीडियो

पालघरः पालघर जिले में पुलिस ने अक का इस्तेमाल कर महिलाओं और लड़कियों के आपत्तिजनक वीडियो बनाने के आरोप में दो भाइयों को गिरफ्तार किया है। आरोपी इन वीडियो को सोशल मीडिया पर साझा कर रहे थे। अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि यह राज्य में इस तरह का पहला मामला है, जिसमें आपत्तिजनक वीडियो बनाने के लिए एआई का इस्तेमाल किया गया। अरनाला मरीन थाने के वरिष्ठ निरीक्षक कल्याण कार्पे ने बताया कि 19 और 21 साल के दोनों आरोपी मुंबई में तैनात एक पुलिस अधिकारी के बेटे हैं। उन्होंने बताया कि एआई का इस्तेमाल कर दोनों आरोपी महिलाओं और लड़कियों की तस्वीरों से कथित तौर पर आपत्तिजनक वीडियो बना रहे थे।

मीरा-भयंदर-वसई-विरार पुलिस आयुक्तालय की साइबर शाखा के वरिष्ठ निरीक्षक सुजीत गुंजकर ने बताया कि यह राज्य में पहला मामला है जिसमें साइबर अपराध के लिए एआई तकनीक का इस्तेमाल किया गया है। पुलिस ने बताया कि जब दो लड़कियों ने सोमवार को वीडियो को लेकर आपत्ति जताई, तो दोनों ने उनके साथ कथित तौर पर मारपीट की। आरोपियों को मंगलवार को भारतीय दंड संहिता की धारा 354 (छेड़छाड़) और यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम (पोक्सो) की संबंधित धाराओं के तहत गिरफ्तार किया गया।

बिजली चोरी मामले में 51 के खिलाफ मामला दर्ज

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र के औरंगाबाद जिले के 51 लोगों के खिलाफ बिजली चोरी करने का मामला दर्ज किया गया है। इसकी जानकारी महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड (एमएसईडीसीएल) के एक अधिकारी ने दी है। एमएसईडीसीएल के सहायक इंजीनियर ने गंगापुर पुलिस स्टेशन में बिजली चोरी का मामला दर्ज कराया, जिसके बाद बिजली विभाग की टीम तीन जुलाई को पैठण तहसील के मायगांव पहुंची। वहां उन्हें कई अवैध कनेक्शन मिले। बिजली चोरी के आरोपियों के खिलाफ विद्युत अधिनियम की धारा 135 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

अब साल में दो बार आयोजित होंगी बोर्ड परीक्षाएं

शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने दी बड़ी जानकारी, कक्षा 11वीं–12वीं में होगी दो भाषाओं की पढ़ाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय शिक्षा मंत्री, धर्मेंद्र प्रधान ने आज घोषणा की कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के अनुसार नया पाठ्यक्रम (एनसीएफ) तैयार है और 2024 शैक्षणिक सत्र के लिए इसके लिए पाठ्यपुस्तकें विकसित की जाएंगी। वहीं, बोर्ड परीक्षाएं साल में दो बार आयोजित की जाएंगी। धर्मेंद्र प्रधान के इस बयान के बाद माना जा रहा है कि जल्द ही संबंधित बोर्ड्स की तरफ से साल में दो बार परीक्षाओं को आयोजित कराने के लिए निर्देश जारी किए जा सकते हैं। एनसीएफ के मुताबिक बोर्ड परीक्षा साल में दो बार आयोजित की जाएगी और छात्रों को सर्वश्रेष्ठ स्कोर बनाए रखने की

अनुमति दी जाएगी। ऐसा यह सुनिश्चित करने के लिए किया जा रहा है ताकि छात्रों को अच्छा प्रदर्शन करने के लिए पर्याप्त समय और अवसर मिले। इसके बाद छात्र उन विषयों की बोर्ड परीक्षा दे सकते हैं जिन्हें उन्होंने पूरा कर लिया है और जिनके लिए वे तैयार होते हैं। बोर्ड परीक्षाएं महीनों की कोचिंग और याद करने के बजाय एचीवमेंट पर फोकस होंगे। कक्षा 11वीं और 12वीं के छात्रों को अब से दो भाषाएं पढ़नी होंगी और कम से कम एक भाषा भारतीय भाषा होनी चाहिए। वहीं, ये भाषाएं विषयों की पसंद स्ट्रीम तक सीमित नहीं होगी। इस संबंध में जल्द संबंधित बोर्डों की तरफ से भी निर्देश जारी किया जाएगा। माना जा रहा है कि सीबीएसई के ड्राफ्ट के बाद बोर्ड तैयारी में जुट जाएंगे। अभी साल में बोर्ड परीक्षाएं एक बार आयोजित की जा रही हैं। ऐसे में किसी भी स्टूडेंट्स को फेल होने पर सिर्फ कंपार्टमेंटल और स्क्रूटनी का रास्ता ही पास होने के लिए बचता है। हालांकि, कोरोना काल में सीबीएसई बोर्ड की तरफ से सेमेस्टर वाइज परीक्षाएं एक साल के लिए जरूर आयोजित की गई थी लेकिन कोरोना से स्थितियां सामान्य होने पर फिर से सीबीएसई की परीक्षाएं पुराने पैटर्न पर आयोजित होने लगीं।

मिजोरम में अंडर कंस्ट्रक्शन रेलवे पुल गिरा, 17 की मौत

हादसे के वक्त 35 से 40 मजदूर मौजूद थे, पीएम और रेलवे ने की मुआवजे की घोषणा

आइजोल (एजेंसी)। मिजोरम में बुधवार को निर्माणाधीन रेलवे पुल गिरने से 17 मजदूरों की मौत हो गई। न्यूज एजेंसी एएनआई ने अधिकारियों के हवाले से बताया कि राजधानी आइजॉल से 20 किलोमीटर दूर सायरांग में सुबह 10 बजे यह हादसा हुआ। घटना के दौरान 35 से 40 मजदूर पुल पर काम कर रहे थे। यह पुल बैराबी को सायरांग से जोड़ने वाली कुरूंग नदी पर बन रहा था।

नॉर्थ-ईस्ट फ्रंटियर रेलवे के सीईओ सब्यसाची दे ने न्यूज एजेंसी को बताया- रेलवे की ओर से रेस्क्यू टीम घटनास्थल पर भेजी गई है। उधर, पीएम और रेलवे ने घटना पर दुख जताते हुए मुआवजे की घोषणा की है। पुल में कुल 4 पिलर हैं। वीडियो में देखा जा सकता है कि तीसरे और चौथे पिलर के बीच का गर्डर टूटकर गिरा हुआ है। सभी मजदूर इसी गर्डर पर

काम कर रहे थे। जमीन से पुल की ऊंचाई 104 मीटर यानी 341 फीट है। यानी पुल की ऊंचाई कुतुब मिनार से भी ज्यादा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने घटना पर दुख जताते हुए मृतकों के परिजनों के लिए मुआवजे की घोषणा की है। प्रधानमंत्री कार्यालय से पीड़ित परिजनों को 2 लाख और रेलवे ने 10 लाख रुपए देने की घोषणा की है।

चंद्रयान-3 के लिए महाकाल मंदिर में हुई भस्म आरती

अजमेर की दरगाह शरीफ में दुआ की गई, देश भर में प्रार्थना

नई दिल्ली (एजेंसी)। चंद्रयान-3 आज शाम 6 बजकर 4 मिनट पर चंद्रमा के साउथ पोल पर लैंड करेगा। इसकी सफलता के लिए देश-विदेश में पूजा और प्रार्थना का दौर जारी है। चंद्रयान-3 के लिए देश भर के मंदिरों में हवन-पूजन किए गए। मस्जिदों में दुआ की गई। स्कूलों में बच्चों ने भी इसके लिए प्रार्थना की। चंद्रयान-3 की सफल लैंडिंग के लिए बुधवार को उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर में खास भस्म आरती की गई। वहीं, अजमेर की दरगाह शरीफ में लोगों ने दुआ की। उधर, उत्तर प्रदेश के सरकारी स्कूलों और मदरसों में चंद्रयान-3 की लैंडिंग का लाइव टेलीकास्ट किया जाएगा। राज्य के स्कूलों और दूसरे शिक्षण संस्थानों में शाम 5.15 से 6.15 तक इसका टेलीकास्ट होगा। हरियाणा के स्कूलों में भी मिशन की लाइव कवरेज दिखाई जाएगी। चंद्रयान-3 की कमान लखनऊ की डॉ. रितु कारिधाल के हाथों में है। वह चंद्रयान-3 की मिशन डायरेक्टर हैं।

पुतिन ने गद्दार एयरफोर्स चीफ सुरोविकिन को किया बर्खास्त

'सीरिया का शैतान' नाम से था कुख्यात, वैगनर का साथ देने का लगा आरोप

मॉस्को (एजेंसी)। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने गद्दार जनरल सर्गेई सुरोविकिन को एयरोस्पेस चीफ के पद से बर्खास्त कर दिया है। सर्गेई सुरोविकिन को वैगनर विद्रोह के बाद से ही हिरासत में ले लिया गया था। उन पर वैगनर चीफ येवगेनी प्रिगोझिन का साथ देने का आरोप लगा था। रूसी जांच एजेंसियों ने दावा किया थआ कि जनरल सुरोविकिन को विद्रोह के बारे में हफ्तों पहले से पता था, लेकिन उन्होंने पुतिन को यह जानकारी न देकर देशद्रोह किया। 23 जून को प्रिगोझिन के नेतृत्व में हजारों वैगनर लड़ाकों ने मॉस्को की ओर कूच किया था। उनका मकसद पुतिन को रूस की सत्ता से हटाकर तख्तापलट करना था। सुरोविकिन को आखिरी बार वैगनर लड़ाकों बात करते हुए सुना गया था।

गुजरात में कैदी बने कारीगर, तराश रहे महंगे हीरे

● सूरत की सेंट्रल जेल में कैदी कर रहे हैं डायमंड की पॉलिशिंग का काम ● हर महीने जेल की छोटी सी डायमंड पॉलिशिंग यूनिट में बने हजारों हीरे

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात की मॉडर्न जेल में शामिल सूरत की लाजपोर सेंट्रल जेल अपनी अनूठी मुहिम के चलते सुर्खियों में हैं। जेल में बंद कैदियों के सितारे भले ही उनके पिछले कामों के चलते गर्दिश में हैं, लेकिन वे जेल में हीरों को तराशने का काम कर रहे हैं। पिछले दिनों जेल प्रशासन ने कैदियों के सुधार से जुड़ी मुहिम के तहत जेल के अंदर ही हीरे तराशने की व्यस्था की थी। प्रशिक्षण के बाद जेल के कैदी हर महीने करीब 25 हजार अधिक हीरों को पॉलिश करते हैं। सूरत जेल के कैदी प्राकृतिक डायमंड को तराशते हैं। सूरत के दुनिया के करीब 95 फीसदी हीरों का पॉलिस किया जाता है। अब इसमें एक छोटी सी भागीदारी सूरत सेंट्रल जेल के कैदियों की भी हो गई है। जेल में लगाई गई डायमंड पॉलिशिंग यूनिट में 107 कैदी हीरे तराशने का काम करते हैं। सूरत सेंट्रल जेल के इन कैदियों को विभिन्न प्रकार के कट और पॉलिशिंग से जुड़े तकनीकी पहलुओं के बारे में ट्रेनिंग दी गई। कैदी अपने

काम और प्रोफाइल हिसाब से हर महीने 20,000 रुपये तक कमा रहे हैं। सूरत सेंट्रल जेल अधीक्षक जे एन देसाई के अनुसार संभवतः यह जेल दुनिया में एकमात्र जेल है जहां प्राकृतिक हीरे की कटाई और पॉलिशिंग जेल के अंदर होती है। पॉलिशिंग यूनिट बिन किसी शिकायत के सुचारू रूप से काम कर रही है। सूरत सेंट्रल जेल में लगभग 3,000 कैदी बंद हैं। इनमें ज्यादातर कैदी फर्नीचर बनाने, स्वैक बनाने, पेंटिंग, मूर्तिकला और फोटो कॉपी सहित विभिन्न व्यापारिक गतिविधियों पर काम करते हैं। अब इस सूची में डायमंड पॉलिशिंग का काम भी जुड़ गया है। सूरत सेंट्रल जेल में उम्रकैद की सजा काट रहे विपुल मेर (33) का कहा है कि 10 साल से बंद है, लेकिन पॉलिशिंग के काम ने उसे कमाई का मौका दे दिया है। मेर ने कहा कि इसके चलते मैं जेल में रहने के बावजूद अपने परिजनों की मदद कर सकता हूं। मेर यूनिट में मैनेजर का दायित्व दिया गया है। काम से हिसाब से मेर को हर महीने 20,000 रुपये तक मिलते हैं। मेर का कहना है कि सजा होने पहले तक मैं हीरा कारीगर था। जब यूनिट शुरू हुई तो मैंने यहां काम करना शुरू कर दिया। पॉलिशिंग यूनिट में काम कर रहे कैदियों को कुल कमाई में से एक कैदी को जेल में अपने निजी खर्चों के लिए प्रति माह केवल 2,100 रुपये रखने होते हैं।

3 साल में 500 प्रतिशत रिटर्न, सुजलॉन एनर्जी ने निवेशकों को किया मालामाल

नई दिल्ली, एजेंसी। मल्टीबैगर स्टॉक्स की जब बात होती है तो सुजलॉन एनर्जी का नाम भी आता है। सुजलॉन एनर्जी के शेयर ने पिछले 3 साल में 500 फीसदी का शानदार रिटर्न दिया है। सुजलॉन ग्रुप रिन्यूएबल एनर्जी सोल्यूशंस में एक प्रमुख प्लेयर है। यह दुनियाभर के 17 देशों में 20 गीगावाट से अधिक की प्रभावशाली पवन ऊर्जा क्षमता का दावा करता है। यह ग्रुप सुजलॉन एनर्जी लिमिटेड और इसकी सहायक कंपनियों से बना है। सुजलॉन ग्रुप का मुख्यालय पुणे में है।

जर्मनी, नीदरलैंड, डेनमार्क और भारत सहित कई देशों में ग्रुप के एकीकृत अनुसंधान और विकास केंद्र हैं। भारत में अत्याधुनिक विनिर्माण सुविधाओं के साथ सुजलॉन 28 से अधिक वर्षों से काम कर रहा है। कंपनी भारत की प्रमुख पवन ऊर्जा सेवा प्रदाता है। यह विंड एनर्जी एसेट्स में 14 गीगावाट से अधिक के सर्विस पोर्टफोलियो को मैनेज करती है। भारत से बाहर लगभग 6 गीगावॉट की स्थापित क्षमता के साथ सुजलॉन ग्रुप इंटरनेशनल लेवल पर भी मजबूत उपस्थिति रखती है। सुजलॉन एनर्जी लिमिटेड ने हाल ही में अपने क्यू1एफवाय24 परिणामों की

घोषणा की है। इसके अनुसार कंपनी की बिक्री में क्यू1 एफवाय23 की तुलना में 2 प्रतिशत की कमी आई है। यह 1,351 करोड़ रुपये रही। जबकि कंपनी के परिचालन लाभ में 7 प्रतिशत की गिरावट आई और यह 199 करोड़ रुपये रहा। इसी तरह, कंपनी का शुद्ध लाभ 101 करोड़ रुपये रहा। जबकि वित्त वर्ष 23 की पहली तिमाही में यह 2,433 करोड़ रुपये था। सुजलॉन एनर्जी के शेयर ने पिछले एक साल में 166 प्रतिशत का शानदार रिटर्न दिया है। वहीं, कंपनी ने पिछले 3 वर्षों में 519 फीसदी का असाधारण रिटर्न दिया है। इसके अलावा, कंपनी का 20.6 प्रतिशत का आरओसीई है। बुधवार को कंपनी के शेयरों में 5 प्रतिशत का अपर सर्किट लगा, जिससे यह 21.93 रुपये पर पहुंच गया। इसके अलावा, शेयर की वॉल्यूम में 1.43 गुना से अधिक की वृद्धि हुई।

फ्रैंकलिन टेम्पलटन की छह बंद योजनाओं का एसबीआई फंड्स ने किया परिसमापन

नई दिल्ली, एजेंसी। एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट लिमिटेड ने मंगलवार को कहा कि उसने फ्रैंकलिन टेम्पलटन म्यूचुअल फंड की बंद हो चुकी छह ऋण योजनाओं में परिसंपत्तियों का परिसमापन कर दिया है और यूनिटधारकों को 27,508 करोड़ रुपए वितरित किए हैं। फ्रैंकलिन टेम्पलटन ने अप्रैल, 2020 में अपनी छह बॉन्ड म्यूचुअल फंड योजनाओं को बाजार में तरलता के अभाव में बंद करने की घोषणा कर दी थी। उच्चतम न्यायालय ने वर्ष 2021 में

एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट को इन बंद योजनाओं की परिसंपत्तियों का निपटारा करने और भुगतान सुनिश्चित करने का निर्देश दिया था। एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट ने बयान में कहा कि उसने 217 प्रतिभूतियों का परिसमापन करते हुए इनके मद में 27,508 करोड़ रुपए का भुगतान इसके यूनिटधारकों को कर दिया है। यह इन योजनाओं के बंद होने की तारीख 23 अप्रैल, 2020 को रहे प्रतिभूतियों के मूल्य 25,215 करोड़ रुपए का 109 प्रतिशत है। इन बंद योजनाओं में फ्रैंकलिन इंडिया लो ड्यूरेशन फंड, फ्रैंकलिन इंडिया डाइनमिक अक्रुअल फंड, फ्रैंकलिन इंडिया क्रेडिट रिस्क फंड, फ्रैंकलिन इंडिया शॉर्ट टर्म इनकम प्लान, फ्रैंकलिन इंडिया अल्ट्रा शॉर्ट बॉन्ड फंड और फ्रैंकलिन इंडिया इनकम ऑपर्चयनिटीज फंड शामिल थीं।

बॉलीवुड सुपरस्टार रणवीर सिंह लावी स्पोर्ट के ब्रैंड एम्बेसडर बने

मुंबई, : सही प्रोडक्ट्स का चुनाव कर ऐक्टिव लाइफस्टाइल को और भी बेहतर बनाने के नजरिये के साथ, ब्रैंड लावी स्पोर्ट ने हाल ही में बॉलीवुड सुपरस्टार रणवीर सिंह को अपना ब्रैंड एम्बेसडर बनाया है। सुपरस्टार रणवीर के साथ यह सहयोग, स्टाइल को लेकर जागरूक आज के दौर के युवाओं की एथलीशर मांगों को पूरा करने की लावी स्पोहर्ट की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। साथ ही यह ब्रैंड अपने मौजूदा ग्राहकों के साथ भी उतना ही प्रासंगिक बना हुआ है। ऐक्टिव लाइफस्टाइल को बढ़ावा देने की ब्रैंड की मूल सोच पर निर्मित, लावी स्पोर्ट का लक्ष्य ग्राहकों को ऐसे बैग्स देना है जो टिकाऊपन, स्टाइल और ज्यामदा सुरक्षा की पेशकश कर ग्राहकों की रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा कर सके। कंटेम्परारी, वर्सेटाइल और नए जमाने के प्रोडक्ट्स की एक विशाल रेंज से लैस, लावी स्पोर्ट ब्रैंड में कई तरह के प्रोडक्ट्स शामिल हैं, जैसेकि बैगपैक्स , डफल बैग्स, लैपटॉप बैग्स, वॉलेट, इत्यादि। ये प्रोडक्ट्स वीकेंड गेटअवे या वैकेशन, ऑफिस, जिम या फिर जहां भी आप जाना चाहें, उसके लिए बिलकुल परफेक्ट है। रणवीर, डिजिटल तथा सोशल मीडिया पर मौजूद ढेर सारे विज्ञापनों के जरिए, ब्रैंड के मौजूदा पोर्टफोलियो के साथ-साथ सबसे नए कलेक्शन का भी प्रचार करते नजर आएंगे। लावी स्पोर्ट की छवि की तरह

ही, रणवीर सिंह ने हमेशा ही अपनी बेहतरीन ऐक्टिंग स्किल, सबको अपनी तरफ खींच लेने के आकर्षण और फैशन तथा स्टाइल की बेजोड़ समझ के साथ दर्शकों को हमेशा ही लुभाया है। इस वजह से ही रणवीर ब्रैंड का प्रतिनिधित्व करने और लावी स्पोर्ट रेंज को पसंदीदा विकल्प बनाने के लिए बिलकुल सही विकल्पश हैं। उनका बेहतरीन काम, बहुमुखी प्रतिभा और उत्साह से भरी पर्सनैलिटी, ब्रैंड द्वारा अपने प्रोडक्ट्स के लिए हाई-क्वालिटी एवं भविष्यि के अनुकूल डिजाइन की दिशा में लगातार किए जा रहे नवाचार एवं प्रतिबद्धता से काफी मिलती है। ब्रैंड के विस्तृत पोर्टफोलियो के साथ रणवीर के जादुई आकर्षण को शामिल करते हुए, लावी स्पोर्ट का लक्ष्य तरक्की के इस रास्ते पर यूं ही बढ़ते जाना और भारत के विशाल एसेसरीज बाजार में अपनी हिस्सेदारी को बढ़ाना है।

इनवेस्टमेंट कम इंश्योरेंस प्लान के साथ अपने रिटायरमेंट के दिनों को करें सुरक्षित

मुंबई, : बीतते समय के साथ प्रत्येक व्यक्ति अपने रिटायरमेंट के दिनों को शांतिपूर्ण और आनंददायक तरीके से जीने की इच्छा रखता है। लेकिन सिर्फ विचार करना ही काफी नहीं है इसके लिए हमें सावधानीपूर्वक योजना बनाने की आवश्यकता होती है, खासकर बात जब हमारी फाइनेनशियल प्लानिंग की आती है। रिटायरमेंट के दिनों में किसी भी प्रकार की वित्तीय परेशानी का सामना ना करना पड़े इसके लिए पहले से योजना बनाना बहुत ही महत्वपूर्ण है। आंकड़ों के अनुसार भारत में प्रत्येक कामकाजी लोगों में से केवल ७६ प्रतिशत लोग ही अपने रिटायरमेंट के दिनों को आनंद से जीने की उम्मीद रखते है, और केवल ३३ प्रतिशत लोग ही इसके लिए धन संचय पर विचार कर रहें हैं। यह सिर्फ भारत ही नहीं बल्कि दुनिया भर के लोगों की प्रवृत्ति है।

विवेक जैन, हेड ऑफ इन्वेस्टमेंट, पॉलिसीबाजार डॉट कॉम : आपके रिटायरमेंट के दिनों की वित्तीय सुरक्षा के लिए एन्युटी प्लान बहुत ही उत्तम विकल्प है जो आपको रिटायर होने के बाद भी स्थिर आय प्राप्त करने में मदद करता है। एन्युटी प्लान्स एक सिक्योरिटी लेयर की तरह काम करते है जो आपके रिटायरमेंट के दिनों को आनंददायक बनाने और एक निश्चित आय स्त्रोत के रूप में सहायता प्रदान करते है। आप एन्युटी प्लान दो तरीकों से प्राप्त कर सकते हैं: एक बार में बड़ी राशि देकर या नियमित रूप से छोटी राशि देकर। इससे ये योजनाएं बहुत अधिक फ्लेक्सिबल हो जाती हैं। जो बात एन्युटी प्लान्स को निवेश के अन्य विकल्पों से अलग बनाती है, वह यह है कि यह प्लान्स एक ही समय में दो काम करते हैं। यह आपके पैसे को इन्वेस्टेमेंट के विकल्प की तरह बढ़ाने में मदद करते हैं, और साथ ही वे आपको इंश्योरेंस की तरह सुरक्षा भी देते हैं। एन्युटी प्लान्स का यह डबल बेनिफिट ही उन्हें खास बनाता है। यह इन्वेस्टमेंट और इंश्योरेंस दोनों की सुविधा एक ही प्लान के अंदर उपलब्ध कराता है।एन्युटी प्लान्स के साथ रिटायरमेंट को आसान बनाने के लिए जल्द से जल्द निवेश करने की आवश्यकता होती है। क्योंकि आप जितना जल्दी निवेश करना प्रारंभ करते है उतना ही अधिक बेहतर रिटर्न प्राप्त कर सकते है। इनवेस्टमेंट कम इंश्योरेंस प्लान्स खासतौर पर एन्युटी प्लान्स वित्तीय सुरक्षा के लिए बहुत ही उत्तम विकल्प है क्योंकि यह इनवेस्टमेंट और इंश्योरेंस के बेनिफिट्स को एक ही उत्पाद मे उपलब्ध कराते है।

कॉमेडी, एक्शन और इमोशन से भरा होगा ये हफ्ता
'ड्रीम गर्ल 2' के साथ रिलीज हो रहीं ये फिल्में

इस महीने सिनेमाघरों में रिलीज हुईं कई फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचा दिया। सनी देओल की गदर 2 से लेकर अक्षय कुमार की ओएमजी 2 और रजनीकांत स्टारर जेलर तक समेत फिल्मों ने ताबड़तोड़ कमाई की। इस हफ्ते कुछ मोस्ट अवेटेड फिल्में रिलीज होने वाली हैं, जिसको लेकर लंबे समय से बज बना हुआ है। आइए, आपको उन फिल्मों के बारे में बताते हैं। आयुष्मान खुराना स्टारर फिल्म 'ड्रीम गर्ल' की सीक्वल 'ड्रीम गर्ल 2' इसी शुक्रवार यानी 25 अगस्त को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है। पहली हिट फिल्म के बाद अनुमान लगाया जा रहा है कि आयुष्मान की ये फिल्म भी अच्छा परफॉर्म कर सकती है।

इस कॉमेडी फिल्म में अनन्या पांडे ने नुसरत भरुचा को रिप्लेस किया है। सच्ची घटना पर आधारित फिल्म 'अकेली'

कल थिएटर्स में रिलीज होने के लिए तैयार है। आइएसआइएस की कैद में फंसी एक भारतीय लड़की के इर्द-गिर्द घूमने वाली मिस्ट्री जॉनर 'अकेली' में नुसरत भरुचा लीड रोल में हैं। फिल्म का निर्देशन प्रणय मेश्राम ने किया है।

अभिलाश जोशी द्वारा निर्देशित चर्चित फिल्म 'किंग ऑफ कोठा' आज यानी 24 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। फिल्म को अच्छा रिव्यू मिला है। गैंगस्टर बेस्ड 'किंग ऑफ कोठा' में मुख्य भूमिका दुलकर सलमान ने निभाया है। शबीर कल्लारक्कल, प्रसन्ना, गोकुल सुरेश, ऐश्वर्या लक्ष्मी जैसे सितारे भी अहम किरदार में हैं। एक्शन से भरपूर फिल्म 'रेट्रीब्यूशन' 25 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। फिल्म में मुख्य भूमिका में लियाम नीसन हैं। उनके अलावा मूवी में मैथ्यू मोडाइन, नोमा डूमजवेनी, जैक चैंपियन, लिली एस्पेल और एम्बेथ डेविड्ज जैसे सितारे भी अहम किरदार में हैं।

साउथ की टॉप एक्ट्रेस ने 'रामायण' में आलिया भट्ट को किया रिप्लेस, रणबीर कपूर के साथ बनेगी जोड़ी?

पिछले दिनों खबर आई थी कि इस फिल्म के लिए नितेश तिवारी ने भगवान राम के रोल के लिए रणबीर कपूर और माता सीता के रोल के लिए आलिया भट्ट को कास्ट किया है। वहीं, अब खबरें आ रही हैं कि आलिया भट्ट, माता सीता का रोल नहीं निभाएंगी। उन्हें एक साउथ एक्ट्रेस

से रिप्लेस किया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, आलिया भट्ट ने डेट्स न होने की वजह से नितेश तिवारी की फिल्म करने से मना कर दिया है। ऐसा कहा जा रहा है कि नितेश तिवारी ने अब आलिया भट्ट की जगह साईं पल्लवी को कास्ट करने की योजना बनाई है। हालांकि, इसकी ऑफिशियल जानकारी सामने आना बाकी है।

रणबीर और आलिया के साथ ही 'केजीएफ' स्टार यश को रावण के रोल के लिए अप्रोच किया गया था। यश की तरफ से फिल्म के लिए अभी तक हां या न नहीं किया गया है। हालांकि 'रावण' के लुक टेस्ट में यश पास जरूर हो गए। दरअसल, यश एक बड़े पैमाने की एक्शन थ्रिलर के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता गीतू मोहनदास के साथ काम कर रहे हैं। इसलिए रामायण फिल्म में उनकी कास्टिंग होगी या नहीं इस पर संशय बना हुआ है। बता दें कि रामायण की शूटिंग इस साल दिसंबर में शुरू होनी थी। जुलाई में प्री-प्रोडक्शन का काम शुरू होना था। तीन भाग में बनने वाली इस फिल्म का काम दिसंबर तक पूरा होने की उम्मीद नहीं जताई गई है। 'बवाल' के एक प्रमोशनल इंटरव्यू के दौरान नितेश तिवारी से पूछा गया था कि क्या ओम राउत की 'आदिपुरुष' को मिली प्रतिक्रिया के बाद वे फिल्म को लेकर अतिरिक्त सावधानी बरत रहे हैं। तब उन्होंने कहा था कि उन्हें ज्यादा सतर्क रहने की जरूरत महसूस नहीं होती क्योंकि वह ऐसा कंटेंट नही बनाएंगे, जिससे लोगों की भावनाएं आहत हों।

'जवान' से आगे निकली प्रभास की 'सालार', एडवांस बुकिंग में शाह रुख की फिल्म को दी मात

इस बार सितंबर के महीने में एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री से धमाका होने वाला है। महीने की शुरूआत में शाह रुख खान की मोस्ट अवेटेड फिल्म 'जवान' रिलीज हो रही है, तो महीने के अंत में प्रभास की 'सालार' सिनेमाघरों में दस्तक देगी। ओवरसीज मार्केट में दोनों फिल्मों की एडवांस बुकिंग शुरू हो चुकी है और शुरूआती आंकड़ों में इन मूवीज के बीच टक्कर होते देखने को मिल रही है। 'जवान' और 'सालार' के बीच वैसे को बॉक्स ऑफिस क्लैश नहीं है। लेकिन ओवरसीज मार्केट में दोनों फिल्में एडवांस बुकिंग में एक दूसरे को टक्कर देती नजर आ रही हैं। आइये जानते हैं कि किसने किसको टक्कर दी।

यूएसए में 'सालार' को एडवांस बुकिंग में अच्छा रिस्पांस मिल रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, सुबह आठ बजे तक 4500 टिकट्स बिक चुके थे। सालार ने एडवांस बुकिंग के जरिये 184 हजार डॉलर की कमाई कर ली थी। ट्रेड एक्सपर्ट मनोबाला विजयबालन के मुताबिक, दोपहर तक इन आंकड़ों में बढ़ोतरी हुई और सालार ने 200ड डॉलर यानी कि 1.65 करोड़ की कमाई कर डाली। शाह रुख खान की 'जवान' की बात करें, तो फिल्म ने 23 अगस्त की सुबह 9.30 बजे तक एडवांस बुकिंग में 151 हजार डॉलर की कमाई की। फिल्म के 9700 टिकट्स बिक चुके थे। वहीं, डीएनए की रिपोर्ट के अनुसार, ट्रेड एनालिस्ट मनोबाला विजयबालन ने बताया कि फिल्म की अग्रिम बुकिंग दो सप्ताह पहले 1,50,000 डॉलर यानी 1.25 करोड़ रुपए से अधिक का आंकड़ा पार कर गई है। फिल्म के यूएस में 367 जगहों पर 1607 शो रखे गए हैं। गौरतलब है कि 'जवान' शाह रुख खान और निर्देशक एटली कुमार की साथ में पहली फिल्म है। मूवी में नयनतारा का किंग खान के साथ रोमांस भी देखने को मिलेगा। इसके अलावा विजय सेतुपति और सान्या मल्होत्रा भी फिल्म में अभिनय करती देखी जाएंगे। वहीं, प्रशांत नील की 'सालार' में श्रुति हासन, पृथ्वीराज सुकुमारन और जगपति बाबू अहम किरदार में नजर आएंगे।

मालिक , मुद्रक,प्रकाशक ,संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिंटिंग प्रेस , गाला नं 3 - 4 ,अमीन इंडस्ट्रियल इस्टेट ,सोनावला क्रॉस रोड नं 12 ,गोरगांव (पूर्व),मुंबई 63 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। संपर्क कार्यालय : 1 -ए, ग्राउंड फ्लोर साहिल मेंशन, बालमिया लेन, माहिम वेस्ट मुंबई 400016 मोबाइल नं 9987 77 5650 व्हाट्सप्प नं 7977 40 8589 : Email - editor@rokthoklekhaninews.com .